

प्रेषक,

दिलीप जावलकर,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 21 नवम्बर, 2017

विषय:—चारधाम यात्रा 2017 में श्री केदारनाथ धाम आने वाले तीर्थ यात्रियों/श्रद्धालुओं/पर्यटकों की आवश्यक सुविधा हेतु पूर्व निर्मित सार्वजनिक शौचालयों/बायो शौचालय की साफ-सफाई/मरम्मत/रख-रखाव तथा सीतापुर से केदारनाथ पैदल मार्ग पर सफाई व्यवस्था हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-211/2-7-27/2017, दिनांक 18 अगस्त, 2017 तथा पत्र संख्या-277/2-7-27/2017, दिनांक 12 अक्टूबर, 2017 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चारधाम यात्रा 2017 के सफल संचालन हेतु श्री केदारनाथ धाम में आने वाले तीर्थ यात्रियों/श्रद्धालुओं/पर्यटकों की आवश्यक सुविधा हेतु सीतापुर से श्री केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग, मार्ग में स्थित सार्वजनिक शौचालय/बायो शौचालय की छः माह तक साफ सफाई का कार्य हेतु निर्माण इकाई सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन, देहरादून द्वारा निम्नलिखित 02 कार्यों हेतु प्रस्तुत आगणन धनराशि ₹ 448.47 लाख के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि ₹ 446.87 लाख (₹ 25.82 लाख निर्माण कार्य एवं ₹ 421.05 लाख उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 के अनुरूप) के कार्यों की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुये पर्यटन विकास परिषद द्वारा उक्त कार्य हेतु स्वीकृत की जा चुकी धनराशि ₹ 224.23 लाख की निम्नानुसार कार्योत्तर स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों व प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

(₹ धनराशि लाख में)

क्र० सं०	योजना का नाम/निर्माण इकाई	आगणन लागत	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत		परिषद स्तर से पर्यटन कोष से पूर्व में अवमुक्त की गयी धनराशि
			सिविल कार्य	अधिप्राप्ति नियमावली 2017 के अनुसार	
1	सीतापुर से श्री केदारनाथ पैदल मार्ग की साफ सफाई तथा पैदल मार्ग में सार्वजनिक शौचालयों/ बायोशौचालयों की साफ-सफाई रख-रखाव का कार्य छः माह तक।	346.80	—	346.80	173.40
			346.80		
2	सीतापुर से श्री केदारनाथ पैदल मार्ग पर 184 नग अस्थाई फ्लैक्सी शौचालयों का निर्माण एवं छः माह तक साफ-सफाई/रख-रखाव।	101.67	25.82	74.25	50.83
			100.07		
	योग :-	448.47	—		224.23

- धनराशि अवमुक्त से सम्बन्धित पूर्व शासनादेशों में उल्लिखित शर्तें यथावत रहेंगी।
- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।

- (v) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- (vi) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 के दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (vii) आवंटित धनराशि का उपभोग 31 मार्च, 2018 तक कर लिया जाय। अवशेष धनराशि समयान्तर्गत शासन को समर्पित कर दी जाय।
- (viii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है। मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरीत मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (ix) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (x) कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।
- (xi) वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-571/XXVII(1)/2010, दिनांक 19 अक्टूबर, 2010 के अनुरूप कार्यवाही किया जाय।
- (xii) कार्यदायी संस्था के निर्धारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017-18 का लेखानुदान में अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-3452-पर्यटन-80-सामान्य-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विकास परिषद-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के मानक मद के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग से प्राप्त सहमति के कम में जारी किये जा रहे हैं।
- 4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S1.311.260.13.....द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(दिलीप जावलकर)
सचिव।

संख्या:-2592/VI(1)/2017-03(20)/2017, तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 4- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन, देहरादून।
- ✓ 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(गरिमा रौकली)
संयुक्त सचिव।